राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर

स्रोत: पी.आई.बी.

नौसेना प्रमुख ने **गुजरात के लोथल** में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर **(National Maritime Heritage Complex- NMHC)** का दौरा किया।

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर

- **परिचय:** यह लोथल, गुजरात में एक **महत्त्वाकांक्षी सांस्कृतिक और पर्यटन परियोजना** है जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध और विविध **4,500 वर्ष पुरानी समुद्री विरासत को प्रदर्शित करने और विश्व में सबसे बड़ा समुद्री विरासत परिसर स्थापित** करना है।
  - प्रमुख परियोजनाओं में **विश्व स्तरीय दीपस्तंभ संग्रहालय** तटीय राज्य मंडप और समुद्री थीम पर आधारित इको-रिसॉर्ट शामिल हैं।
- **विकास एवं वित्तपोषण:** भारत के सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत, **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW) राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC)** का विकास कर रहा है, तथा इसका **दीपस्तंभ व दीपपोत महानिदेशालय (DGLL)** विश्व के सबसे ऊँचे दीपस्तंभ संग्रहालय का वित्तपोषण कर रहा है।

लोथल

- यह हड़प्पा सभ्यता के सबसे **दक्षिणी स्थलों** में से एक है, जो गुजरात के भाल क्षेत्र में, **खंभात की खाड़ी** के पास **भोगावो और साबरमती नदियों** के बीच स्थित है।
  - गुजराती में **लोथल** का अर्थ है **"मृतकों का टीला"**, जो सिंधी में **मोहनजोदड़ो** के समान है।
  - इस स्थल की खोज **वर्ष 1954 में एस.आर. राव ने की थी और इसे अप्रैल 2014** में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था।
- महत्व: यह **विश्व की सबसे पुराने ज्ञात बंदरगाह (डॉक) के लिये प्रसिद्ध** है, जो शहर को **साबरमती नदी** के प्राचीन मार्ग से जोड़ती थी।
  - यह स्थल **मनकों (मोतियों) की कार्यशालाओं** के लिये भी प्रसिद्ध था और लगभग **4,000 वर्ष** पूर्व **मेसोपोटामिया और मिस्र के साथ समुद्री व्यापारिक संबंधों हेतु** जाना जाता है।

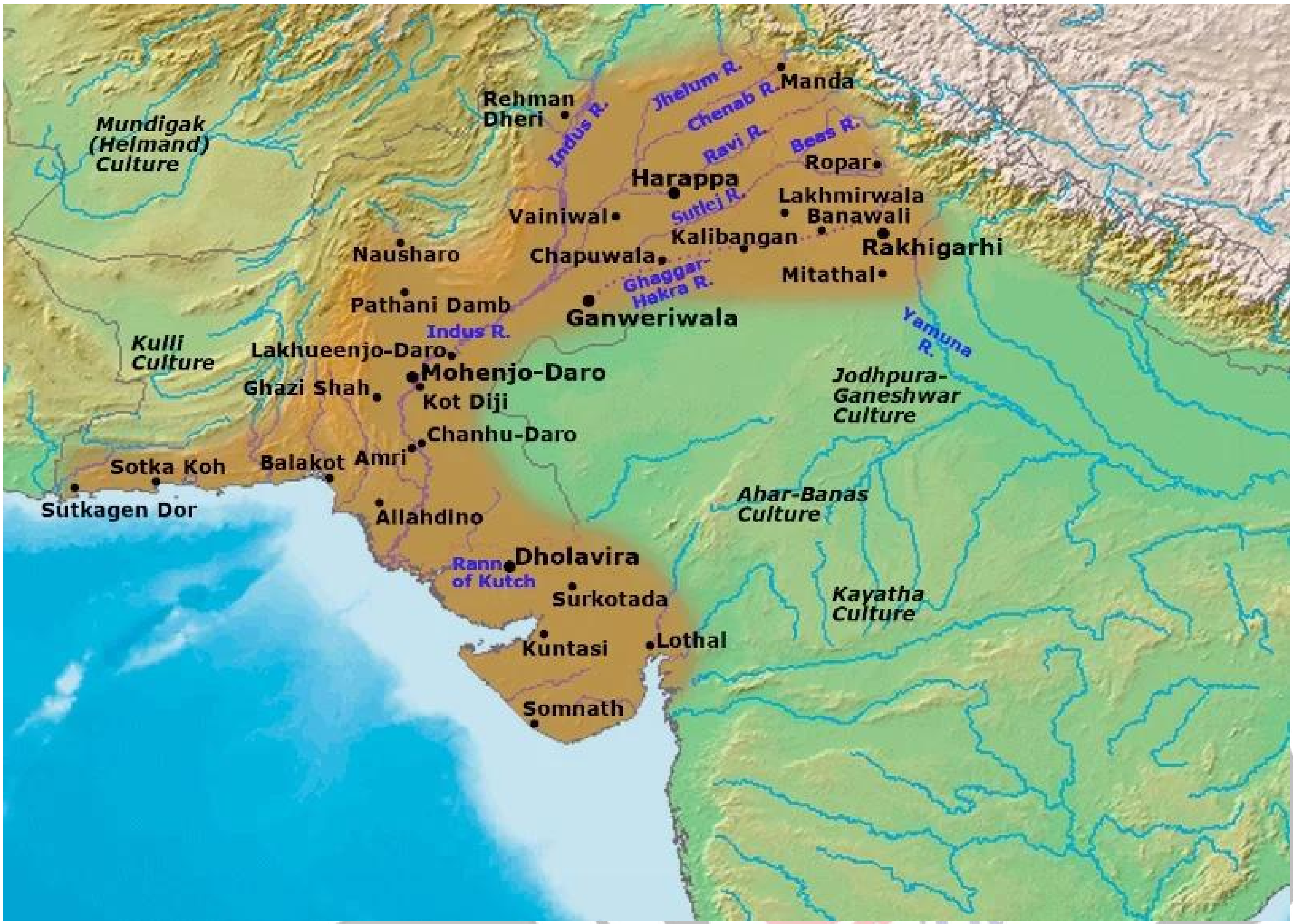

क्या आप जानते हैं?

- सबसे प्राचीन मानव निर्मित डॉकयार्ड की खोज वर्ष 1957 में गुजरात के लोथल में खुदाई के दौरान हुई थी।
- पुरातात्विक प्रमाणों से यह सिद्ध हुआ है कि हड़प्पावासी समुद्री व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से भारतीय तटरेखा से कहीं आगे तक जुड़े हुए थे।
- पश्चिम में मेसोपोटामिया और मिस्र से लेकर पूर्व में जापान तक के साथ उनके संबंधों के प्रमाण मिले हैं।
- संक्षेप में भारत का समुद्री इतिहास 4500 वर्षों से भी अधिक पुराना है।

और पढ़ें: लोथल: दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात बंदरगाह

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-maritime-heritage-complex-3